

प्रेषक,

सी.एस. नपलच्याल,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
अल्पसंख्यक कल्याण विभाग,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

अल्पसंख्यक कल्याण अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 03 जुलाई, 2017  
जून, 2017

विषय: वित्तीय वर्ष 2017-18 के स्वीकृत लेखानुदान में अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम हेतु अंशपूँजी योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि को व्यय किये जाने हेतु निवर्तन पर रखे जाने की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक अपने पत्र संख्या-235/नि.अ.क./924-बजट मांग/2017-18, दिनांक 30.05.2017 तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 312/3(150)/XXVII-I/2017, दिनांक 31.03.2017 की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल वित्तीय वर्ष 2017-18 के स्वीकृत लेखानुदान में 'पूँजीगत' पक्ष की उक्त योजनान्तर्गत प्राविधानित धनराशि ₹ 50.00 लाख (₹ पचास लाख मात्र) को निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन नियमानुसार व्यय हेतु निवर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. उक्त धनराशि का व्यय करते हुए उक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 31.03.2017 में वित्त विभाग द्वारा दिए गये निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया जाएगा।
2. उक्त शासनादेश दिनांक 31.03.2017 के प्रस्तर-10 के प्राविधानानुसार वचनबद्ध/अवचनबद्ध मदों की आवश्यकताओं को बजट प्राविधान की सीमा तक ही सीमित रखते हुए धनराशि का व्यय किया जाएगा।
3. उक्त धनराशि की स्वीकृति उत्तराखण्ड अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम का कारपोरस फण्ड होने के दृष्टिगत निगम की अधिकृत अंशपूँजी ₹ 10.00 करोड़ के सापेक्ष प्रदान की जा रही है।
4. अवमुक्त धनराशि का व्यय करते हुए शासन द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
5. उक्त धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, कि जिसे व्यय करने से पूर्व बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका अथवा मूल आदेशों के अधीन सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक हो। ऐसे में सक्षम अधिकारी की स्वीकृति व्यय के पूर्व प्राप्त कर ली जायेगी तथा धनराशि माहवार आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी।
6. स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय आवंटित सीमा तक उसी मद के लिए किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है।
7. स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण आवश्यक मदों हेतु ही किया जायेगा तथा व्यय में मितव्ययिता के विषय में शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये समस्त शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।

8. स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.3.2018 तक उपयोग करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाएगा।
9. मितव्ययता के फलस्वरूप अवशेष धनराशि को वित्तीय वर्ष के अन्त में नियमानुसार शासन/वित्त विभाग को समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के स्वीकृत लेखानुदान के अनुदान संख्या-15 के "पूँजीगत" पक्ष के लेखाशीर्षक "4250-अन्य सामाजिक सेवाओं पर पूँजीगत परिव्यय-00-800-अन्य व्यय-04-अल्पसंख्यक वित्त एवं विकास निगम हेतु अंशपूँजी के मानक मद" 30-निवेश/ऋण के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश शासनादेश संख्या: 183/XXVII-I/2012, दिनांक 28.03.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में [www.cts.uk.gov.in](http://www.cts.uk.gov.in) से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/अलॉटमेंट आई.डी. संख्या: S1707150020, दिनांक 04 जुलाई 2017 के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के उक्त शासनादेश दिनांक 31.03.2017 के द्वारा प्राप्त दिशा-निर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्न : यथोपरि।

भवदीय,

(सी.एस. नपलच्याल)  
सचिव।

संख्या: 1230 (1)/XVII-3/2017, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, देहरादून।
4. मुख्य कोषाधिकारी/वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23 लक्ष्मी रोड, देहरादून।
6. बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
7. प्रबन्ध निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण तथा वक्फ विकास निगम, देहरादून।
8. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 9. निदेशक, एन.आई.सी., सचिवालय परिसर, देहरादून।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(जी.एस. भाकुनी)  
उप सचिव।